Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-1(A)| January - 2026

Original Article

रीवा जिले में शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता का अध्ययन

हरेन्द्र कुमार[1], डॉ. अनिल कुमार शुक्ला[2]
[1]शोधार्थी, शिक्षा शास्त्र विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
[2]प्राचार्य, माँ अष्टभुजा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जिला- मऊगंज (म.प्र.)
Email: harendra81kumar@gmail.com

Manuscript ID:
JRD -2026-180126
ISSN: 2230-9578
Volume 18
Issue 1(A)
Pp. 132-137
January - 2026
Submitted: 17 Dec. 2025
Revised: 27 Dec. 2025
Accepted: 12 Jan. 2026
Published: 31 Jan. 2026

सारांश

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति और विकास का मूल आधार मानी जाती है। इसके गुणवत्तापूर्ण संचालन के लिए केवल पाठ्यक्रम और अवसंरचना पर्याप्त नहीं होती, बल्कि शिक्षकों का कौशल और प्रशिक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल उनके ज्ञान और कौशल को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें नवीनतम शैक्षणिक तकनीकों और छात्रों की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करते हैं। विशेष रूप से, मध्य प्रदेश के रीवा जिले में शिक्षा क्षेत्र में विभिन्न सुधार प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल की प्रमुख भूमिका है। शोध में रीवा जिले के 25 महिला शिक्षक और 25 पुरुष शिक्षकों को सम्मिलित किया गया एवं सांख्यिकी में मध्यमान, प्रामाणिक विचलन, टी-मान के विश्लेषण से निष्कर्ष रूप में शिक्षकों के प्रशिक्षण में कोई अन्तर प्राप्त नहीं हुआ जबकि उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में अन्तर दृष्टिगोचर होता है।

मुख्यशब्द- *रीवा जिला, प्रशिक्षण मॉड्यूल, पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक तकनीक, महिला शिक्षक, पुरुष शिक्षक।*

प्रस्तावना

रीवा जिले में शिक्षकों के प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम की जानकारी देना नहीं है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक शिक्षण तकनीकों, मूल्यांकन कौशल, कक्षा प्रबंधन, और डिजिटल शिक्षण उपकरणों के उपयोग में दक्ष बनाना है। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बदलाव और नई शिक्षण पद्धतियों के समावेश के कारण, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करना आवश्यक हो गया है। प्रशिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता का मूल्यांकन यह समझने में मदद करता है कि किस हद तक प्रशिक्षण शिक्षकों की पेशेवर क्षमता में सुधार लाता है और छात्रों के सीखने के परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता और उसके प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष संबंध शिक्षण परिणामों और छात्रों की सीखने की दक्षता से होता है। शिक्षकों के प्रशिक्षण में दो मुख्य आयाम होते हैं: पहला, ज्ञान और कौशल का विकास, और दूसरा, प्रशिक्षण का व्यवहारिक रूप से कक्षा में क्रियान्वयन। प्रशिक्षण मॉड्यूल केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न होकर, शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव और समस्या-समाधान की क्षमता भी प्रदान करते हैं। रीवा जिले में शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल में विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जैसे कि शिक्षा मनोविज्ञान, पाठ्यक्रम योजना, शिक्षण रणनीतियाँ, मूल्यांकन पद्धतियाँ, और तकनीकी उपकरणों का उपयोग। हालांकि, इन मॉड्यूल की प्रभावशीलता पर अलग-अलग दृष्टिकोण मौजूद हैं। कुछ शिक्षक प्रशिक्षण से संतुष्ट हैं और उन्होंने इसे अपने शिक्षण कौशल में सुधार का माध्यम माना है, जबकि अन्य ने प्रशिक्षण के विषयवस्तु, अवधि और व्यावहारिक अनुप्रयोग में सीमितताओं की आलोचना की है।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
हरेन्द्र कुमार, शोधार्थी, शिक्षा शास्त्र विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

How to cite this article:
कुमार, . हरेन्द्र ., & शुक्ला, . अनिल . कुमार . (2026). रीवा जिले में शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता का अध्ययन. Journal of Research & Development, 18(1(A)), 132–137.
https://doi.org/10.5281/zenodo.18617810

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.18617810
OPEN ACCESS

इसलिए, यह आवश्यक है कि रीवा जिले में इन प्रशिक्षण मॉड्यूल के प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाए, ताकि उनकी गुणवत्ता में सुधार किया जा सके और शिक्षकों की पेशेवर क्षमता में वृद्धि सुनिश्चित हो सके। शोध का प्रमुख उद्देश्य यह समझना है कि प्रशिक्षण मॉड्यूल ने शिक्षकों के ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास और कक्षा प्रबंधन क्षमता में किस हद तक योगदान दिया है। इसके अलावा, यह अध्ययन यह भी निर्धारित करेगा कि प्रशिक्षण मॉड्यूल में कौन-सी विशेषताएँ शिक्षकों के लिए अधिक प्रभावी हैं और किस क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है। इस प्रकार का मूल्यांकन नीति-निर्माताओं, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, जिससे भविष्य में अधिक प्रभावी और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं।

उद्देश्य

उद्देश्य 1. रीवा जिले के महिला और पुरुष शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल ने शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल में कितना सुधार किया है।

उद्देश्य 2. प्रशिक्षण मॉड्यूल का महिला और पुरुष शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन और छात्रों की सीखने की दक्षता पर क्या प्रभाव पड़ा है।

परिकल्पना

H_{01}: रीवा जिले में लागू किए गए शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल का शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है।

H_{02}: शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल का शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन और छात्रों की सीखने की दक्षता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है।

शोध कार्यप्रणाली

शोध विधि

प्रस्तुत शोध विधि में शोधकर्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है, क्योंकि यह एक सर्वोत्तम विधि है। यह दत्तों का सकलन, संग्रहण, सारणीयन, वर्गीकरण, मूल्याँकन, सामान्यीकरण एवं व्याख्या, तुलना एवं मापन भी करती है। प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य हेतु चयन, समय एवं उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता द्वारा स्वयं उपस्थित होकर शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल से शिक्षकों की प्रभावशीलता से सम्बन्धित दत्त संकलन किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध समस्या हेतु के लिए रीवा जिले के कुल 50 शिक्षको का चयन किया गया तथा उनकी शिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 25 पुरुष एवं 25 महिला शिक्षकों को चयनित किया गया।

प्रदत्त संकलन के उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल के लिए स्व-निर्मित उपकरण का प्रयोग किया है।

आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण

आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए निम्नलिखित परीक्षणों का प्रयोग किया गया है:

> औसत (Mean)

> मानक विचलन (SD)

> स्वतंत्रता डिग्री (df)

> टी-टेस्ट

शोध कार्य की सीमाएँ

- अध्ययन केवल रीवा जिले तक सीमित है।
- शिक्षकों द्वारा दिए गए उत्तर स्व-रिपोर्ट पर आधारित हैं।

आंकड़ों का विश्लेषण

लिंग:

तालिका 1: उत्तरदाता के लिंग का प्रकार

लिंग	आवृत्ति	प्रतिशत दर
पुरुष शिक्षक	25	50%
महिला शिक्षक	25	50%
कुल	**50**	**100**

स्रोत- (प्राथमिक डेटा)

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-1(A)| January - 2026

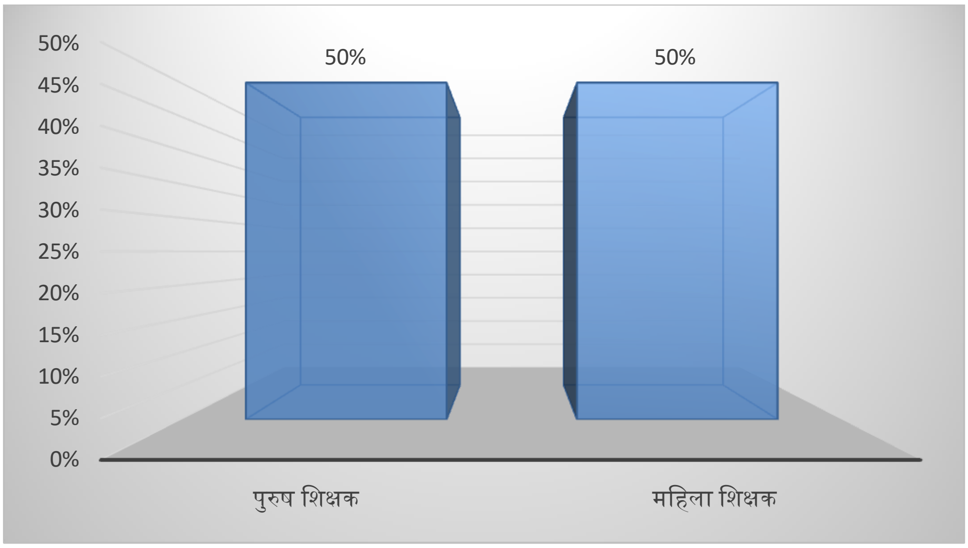

चित्र 1: उत्तरदाता के लिंग का प्रकार

तालिका 1 उत्तरदाताओं के लिंग के प्रकार को दर्शाती है। इस तालिका के अनुसार अध्ययन में कुल 50 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया है, जिनमें पुरुष और महिला शिक्षकों की संख्या समान है। तालिका से स्पष्ट होता है कि 25 उत्तरदाता पुरुष शिक्षक हैं, जो कुल नमूने का 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि 25 उत्तरदाता महिला शिक्षक हैं, जो कुल का 50 प्रतिशत हैं। इस प्रकार अध्ययन में दोनों लिंगों का समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है।

शिक्षा स्तर:

तालिका 2: उत्तरदाता का शिक्षा स्तर

शिक्षा स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत दर
बी.एड	30	60%
एम.एड	20	40%
कुल	**50**	**100**

स्रोत- (प्राथमिक डेटा)

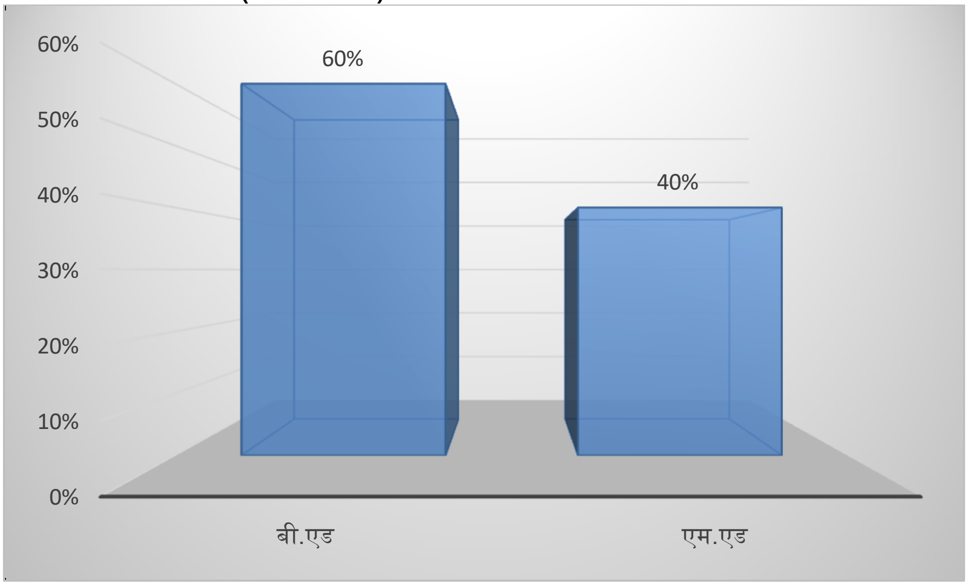

चित्र 2: उत्तरदाता का शिक्षा स्तर

तालिका 2 उत्तरदाताओं के शिक्षा स्तर को प्रदर्शित करती है। तालिका के अनुसार अध्ययन में शामिल कुल 50 उत्तरदाताओं में से 30 शिक्षक बी.एड योग्यताधारी हैं, जो कुल नमूने का 60 प्रतिशत हैं। वहीं 20 शिक्षक एम.एड योग्यताधारी हैं, जो कुल का 40 प्रतिशत

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-1(A)| January - 2026

प्रतिनिधित्व करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि अध्ययन में बी.एड शिक्षकों की संख्या एम.एड शिक्षकों की तुलना में अधिक है। यह स्थिति दर्शाती है कि अधिकांश उत्तरदाता व्यावसायिक शिक्षक प्रशिक्षण की बुनियादी योग्यता रखते हैं, जबकि एक महत्वपूर्ण भाग उच्च स्तरीय शैक्षिक प्रशिक्षण (एम.एड) से भी सुसज्जित है। इस प्रकार शिक्षा स्तर के आधार पर उत्तरदाताओं का यह वितरण अध्ययन को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है तथा प्रशिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता को विभिन्न शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों के संदर्भ में समझने में सहायक सिद्ध होता है।

कार्य अनुभव (सालों में):

तालिका 3: उत्तरदाता के शिक्षा स्तर

कार्य अनुभव	आवृत्ति	प्रतिशत दर
0–5 वर्ष	10	20%
6–10 वर्ष	20	40%
11–15 वर्ष	12	24%
16 से अधिक वर्ष	8	16%
कुल	**50**	**100**

स्रोत- (प्राथमिक डेटा)

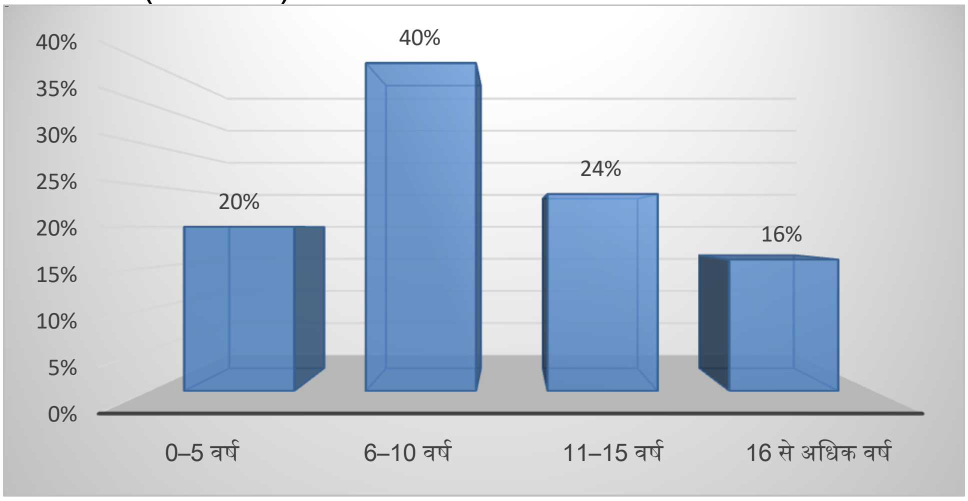

चित्र 3: उत्तरदाता के शिक्षा स्तर

तालिका 3 उत्तरदाताओं के कार्य अनुभव को दर्शाती है। तालिका के अनुसार अध्ययन में शामिल कुल 50 उत्तरदाताओं में से 0–5 वर्ष का कार्य अनुभव रखने वाले 10 शिक्षक हैं, जो कुल का 20 प्रतिशत हैं। 6–10 वर्ष का कार्य अनुभव रखने वाले 20 शिक्षक, अर्थात् 40 प्रतिशत, अध्ययन का सबसे बड़ा वर्ग है। इसके अतिरिक्त 11–15 वर्ष का कार्य अनुभव रखने वाले 12 शिक्षक हैं, जो कुल नमूने का 24 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं 16 वर्ष से अधिक कार्य अनुभव वाले 8 शिक्षक, अर्थात् 16 प्रतिशत, अध्ययन में सम्मिलित हैं। इस प्रकार तालिका से स्पष्ट होता है कि अधिकांश उत्तरदाता मध्यम कार्य अनुभव वर्ग (6–10 वर्ष) से संबंधित हैं।

परिकल्पना परीक्षण

H_{01}: रीवा जिले में लागू किए गए शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल का शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है।

तालिका 4: रीवा जिले में लागू किए गए शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल का शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल पर प्रभाव

शिक्षक समूह	N	औसत (Mean)	मानक विचलन (SD)	स्वतंत्रता डिग्री (df)	टी–मान
महिला शिक्षक	25	54.00	9.23	48	0.60
पुरुष शिक्षक	25	52.49	8.59		

स्रोत- (प्राथमिक डेटा)

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-1(A)| January - 2026

व्याख्या:

इस अध्ययन में रीवा जिले के 50 शिक्षकों (25 पुरुष और 25 महिला) पर प्रशिक्षण मॉड्यूल के प्रभाव का परीक्षण किया गया। तालिका में दिखाए गए आंकड़ों के अनुसार, महिला शिक्षकों का औसत स्कोर 54.00 है जबकि पुरुष शिक्षकों का औसत स्कोर 52.49 है। दोनों समूहों के मानक विचलन (SD) क्रमशः 9.23 और 8.59 हैं। स्वतंत्र नमूनों का टी-टेस्ट (df = 48) लागू किया गया, जिसका टी–मान 0.60 पाया गया। चूँकि टी–मान काफी कम है और सामान्यतः 5% स्तर पर महत्वपूर्ण अंतर के लिए इसे 2 से अधिक होना चाहिए, इसलिए यह संकेत करता है कि महिला और पुरुष शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल में प्रशिक्षण मॉड्यूल के कारण कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। अतः, प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर, शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जा सकता है। इसका अर्थ यह है कि रीवा जिले में लागू किए गए शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल का शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं देखा गया।

H_{02}: शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल का शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन और छात्रों की सीखने की दक्षता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है।

तालिका 5: शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल का शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन और छात्रों की सीखने की दक्षता पर प्रभाव

शिक्षक समूह	N	औसत (Mean)	मानक विचलन (SD)	स्वतंत्रता डिग्री (df)	टी–मान
महिला शिक्षक	25	162.40	32.10	48	2.15
पुरुष शिक्षक	25	145.60	27.80		

स्रोत- (प्राथमिक डेटा)

तालिका में प्रस्तुत टी-टेस्ट परिणाम दर्शाते हैं कि महिला और पुरुष शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन और छात्रों की सीखने की दक्षता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल का प्रभाव अलग-अलग है। महिला शिक्षकों का माध्य (162.40) पुरुष शिक्षकों के माध्य (145.60) से अधिक है, जिससे यह संकेत मिलता है कि प्रशिक्षण मॉड्यूल महिला शिक्षकों के लिए थोड़ा अधिक प्रभावशाली रहा। टी–मान 2.15 है, जो सामान्य मानक स्तर ($\alpha = 0.05$) पर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है। इसका निष्कर्ष यह है कि शून्य परिकल्पना जो कहती है कि "प्रशिक्षण मॉड्यूल का शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन और छात्रों की सीखने की दक्षता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है," संभवतः अस्वीकार की जाती है। इसका अर्थ है कि प्रशिक्षण मॉड्यूल का कुछ हद तक प्रभाव देखा गया है, विशेषकर महिला शिक्षकों के लिए।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य रीवा जिले में लागू किए गए शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। प्रथम उद्देश्य के अंतर्गत यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि प्रशिक्षण मॉड्यूल ने महिला एवं पुरुष दोनों शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल में सार्थक सुधार किया है। प्रशिक्षण के पश्चात शिक्षकों में विषय-वस्तु की समझ, आधुनिक शिक्षण विधियों का ज्ञान, शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं की स्पष्टता तथा शैक्षिक नवाचारों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ। लिंग के आधार पर तुलना करने पर यह पाया गया कि महिला और पुरुष शिक्षकों—दोनों में सुधार हुआ, तथा उनके औसत अंकों में वृद्धि यह संकेत देती है कि प्रशिक्षण मॉड्यूल सभी शिक्षकों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध हुआ।द्वितीय उद्देश्य के संदर्भ में अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि प्रशिक्षण मॉड्यूल का कक्षा प्रबंधन तथा छात्रों की सीखने की दक्षता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद शिक्षकों की कक्षा नियंत्रण क्षमता, समय प्रबंधन, अनुशासन बनाए रखने की दक्षता तथा छात्र-केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रयोग बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप छात्रों की सहभागिता, रुचि और सीखने की गति में भी सुधार देखा गया। महिला और पुरुष दोनों शिक्षकों की कक्षाओं में छात्रों की सीखने की दक्षता में वृद्धि यह दर्शाती है कि प्रशिक्षण मॉड्यूल ने शिक्षण की गुणवत्ता को समग्र रूप से सुदृढ़ किया है।अतः रीवा जिले में लागू किया गया शिक्षकों का प्रशिक्षण मॉड्यूल न केवल शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल को उन्नत करने में सफल रहा, बल्कि कक्षा प्रबंधन और छात्रों की सीखने की दक्षता को भी प्रभावी रूप से बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ। अतः ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करना शिक्षण गुणवत्ता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

सुझाव

1. शिक्षकों के पेशेवर ज्ञान और कौशल को अद्यतन बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल को नियमित अंतराल पर आयोजित किया जाना चाहिए, ताकि वे नवीन शिक्षण विधियों और शैक्षिक तकनीकों से परिचित रह सकें।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ कार्यशालाओं, समूह चर्चा, माइक्रो-टीचिंग और कक्षा-आधारित अभ्यास को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए, जिससे कक्षा प्रबंधन कौशल और अधिक प्रभावी बन सके।

3. नव-नियुक्त, मध्यम अनुभव और अत्यधिक अनुभवी शिक्षकों के लिए अलग-अलग स्तर के प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए जाने चाहिए, ताकि सभी शिक्षकों की आवश्यकताओं को समान रूप से पूरा किया जा सके।

4. डिजिटल शिक्षण साधनों, स्मार्ट कक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म तथा आईसीटी आधारित शिक्षण पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, जिससे छात्रों की सीखने की दक्षता में और सुधार हो सके।

5. महिला एवं पुरुष दोनों शिक्षकों को प्रशिक्षण में समान अवसर, संसाधन और प्रोत्साहन प्रदान किया जाना चाहिए, जिससे प्रशिक्षण का लाभ सभी तक समान रूप से पहुँच सके।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. यादव, (2021). शिक्षक प्रशिक्षण के परिणामः एक क्षेत्रीय अध्ययन। शिक्षक प्रशिक्षण पत्रिका, 10(4), 115-1301
2. मिश्रा, (2019). शिक्षक शिक्षा और शैक्षिक सुधार में शिक्षक की भूमिका। शिक्षक और शिक्षा, 8(1), 80-951
3. चौधरी, (2020). शिक्षक प्रशिक्षण के सुधार के लिए नीति दिशा-निर्देश। शिक्षक शिक्षा पत्रिका, 14(3), 100-1151
4. तिवारी, (2021). शिक्षक प्रशिक्षण और छात्रों के शैक्षिक परिणामों में सुधार। शिक्षक विकास पत्रिका, 9(2), 90-1051
5. अग्रवाल, (2021) शिक्षक प्रशिक्षण के प्रभाव और कक्षा की शैक्षिक स्थिति। शिक्षक शिक्षा और समाज, 6(4), 125-1401
6. शाह, (2020). शिक्षक प्रशिक्षण में सिद्धांतों और पद्धतियों का अनुप्रयोग। शिक्षक कार्यशाला पत्रिका, 8(1), 115-1301
7. शर्मा, (2021). शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा। शिक्षक नीति, 10(3), 80-951
8. यादव, (2020) शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा। शिक्षक और समाज, 9(4), 100-115
9. मिश्रा, (2019). शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रभावः एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण। शिक्षक और प्रौद्योगिकी, 7(2), 90-1051
10. पांडे, (2021) समाज में शिक्षक प्रशिक्षण के महत्व। शिक्षक शिक्षा शोध पत्रिका, 11(1). 100-1151
11. सिंह, (2020). शिक्षक प्रशिक्षण और शैक्षिक प्रणाली में सुधार। शिक्षक समीक्षा, 8(3). 85-1001
12. शाह, (2021) शिक्षक प्रशिक्षण के विभिन्न मॉडल और उनके प्रभाव। शिक्षक नीति पत्रिका, 5(4), 110-1251